
चक्रव्यूह में अभिमन्यु

➤➤ ब्राह्मण जीवन में आने वाले 10 चक्रव्यूह ?

(जिसमें आत्मा अपूर्ण ज्ञान की वजह से फंस जाती है... और फिर निकल नहीं पाती है... और फिर त्राहि त्राहि चिल्लाती है)

➤➤ _ ➤➤ Aalasya Aur Albelapan

→ जो आश्रम / ब्राह्मण जीवन की कठोरता से थक जाते हैं

→ आरामदायी जीवन का आकर्षण

- पहले तो स्वीकार कीजिये की यह आलस की अभिव्यक्ति है

- आपको खुद ही खुद को इससे बहार निकालना होगा... कोई और बहार निकालने नहीं आएगा

- सुबह से रात तक दिनचर्या में उमंग उत्साह और उलास होना चाहिए

- मन रुपी दर्पण पर कमजोर संकल्पों की धूल मत चिपकने दो

- बार बार खुद की चेकिंग करो

- यह गफलत का समय नहीं

- यह समय है श्रेष्ठ भाग्य बनाने का

- स्वयं से पूछिए :- की करने आये थे ? और क्या कर रहे हैं ?

- अपना ही नाम लेकर स्वयं से बातें कीजिये... जैसे वो मैं नहीं ... कोड़ और है

➤➤ _ ➤➤ Bahanebaazi

→ जो लोकिक परिवार की समस्याओं का बहाना देते हैं

→ स्थान व्यक्ति परिस्थितियाँ नहीं बदलेंगी

- तुम्हे ही बदलना है

- कारण को निवारण में परिवर्तित करना

- कमूल अनुकूल परिस्थितियों में नहीं, प्रतिकूल परिस्थितियों में खिलता है

→ जितनी विपरीत परिस्थितियां

- उतनी ही आत्मा शक्तिशाली

→ जितना ज्यादा विरोध

- उतना ही आत्मा में बल भरता है

→ जितने ज्यादा विघन

- विघन विनाशक के सर्टिफिकेट भी उतने ही अधिक

→ जिसके जीवन में जितना ज्यादा संघर्ष

- वह उतना ही आगे

→ जितने पेपर अधिक

- वह उतनी ही क्लास आगे

➡ _ ➡ Comforts & Convenience

→ जिन्हें सुख / सुविधाओं / साधनाओं के प्रति आकर्षण होता है

→ तप का सुख अनुभव करने के लिए

- सुखो सुविधाओं की शैया से स्वयं को उठाना होगा

- अव्यक्त बापदादा :- ग्यानी तू आत्मा मुझे प्रिय है... पर योगी

तू आत्मा मेरा ही स्वरूप है...

- हम भगवान के बने थे महान तपस्वी बनने के लिए... भोगी

बनने के लिए नहीं

- हम अल्लाह लोग हैं... संसार से न्यारे हैं..

➡ _ ➡ Daihik Drishti / Aakrshan

→ जिनका ब्रह्मचर्य अचल अडोल नहीं होता

→ ज्ञान के तीसरे नेत्र से तीसरे नेत्र को देखो

- स्वयं को आत्म केन्द्रित करना है

➡ _ ➡ Electronics / Digital चक्रव्यूह

→ जब विज्ञान के साधन भी माया बन जाते हैं

→ साधनों से Unnecessary सम्बन्ध न बनाए

- साधनों का उपयोग सेवा के लिए Detach होकर करें

- साधनों का प्रयोग किया और छोड़ दिया

- ब्राह्मणों का योग और चिंतन का समय इन साधनों में व्यर्थ बह

रहा है

- साधनों के उपयोग का Limited Time Period Fix कीजिये

➡ _ ➡ Familiarity

→ जो किसी देहधारी को विशेष बना लेते हैं

→ समबंधो में Detachment बहुत जरूरी

- इस संसार में एक परमात्मा के अतिरिक्त हमारा

कोई भी सगा नहीं है

- जब जब जिस जिस को सहारा / आधार बनाया... धोखा मिला

- बहुत प्यार से सेवा करो... पर किसी के प्यार में फंस कर सेवा

नहीं करनी है

- समबंधो में जितनी ज्यादा Detachment... उतनी ही ज्यादा

Freshness

- जो समबन्ध जितना Detached होता है... वह

उतना ही लम्बा चलता है...

- सभी के साथ रहते हुए भी किसी के भी साथ नहीं रहना है ...

■ There Should Be Mental Detachment, Emotional Detachment, Intellectual Detachment.....

- जिसके प्रति हमारे मन में विशेष रूप से Detachment है, उससे

तो विशेष रूप से Detach रहना है

» _ » Fashion

→ White Colour में भी अलग अलग फैशन करते हैं

→ कफ़न धारण किया है तुमने

- जिस कीचड़े से बहार आ गए , उस तरफ फिर नहीं जाना है

- ब्राह्मण आत्मा का श्रृंगार दिव्य गुण हैं

- महान आत्माएं सिर्फ एक ही बार प्रतिज्ञा करती हैं

» _ » Food

→ जो खाने के लिए जी रहे हैं... ना की जीने के लिए खा रहे हैं..

→ जो रसंद्रियों को वश में नहीं कर सकते... वह जनेंद्रियों को वश में कैसे करेंगे ?

- योगी अर्थात संयमित आहार

- मास्टर सर्वशक्तिवान अर्थात स्वाद से परे

» _ » Gossips

→ जो इधर उधर की बातें सुनते हैं

→ 3 Filter Test

- क्या ये बात 100% सत्य है ? Are You Sure ?

- क्या ये बात अच्छे है ? या बुरी है ?
- वो बात सुनने से मेरा फायदा होगा ? या मेरा नुकसान होगा ?

→ परचिन्तन पतन की जड़ है

- परचिन्तन पर्दर्शन Roaming की तरह है... अगर सुनोगे तो भी

पैसे कटेंगे...

- स्वयं से बातें करें :- “:हे मूर्ख मन... ये तू क्या कर रहा है ?”

» _ » **H**ighly Sensitive Nature (फीलिंग देवी)

→ जो बात बात पर मूँझ जाते हैं

→ सीख सीख झुक झुक मर मर

- आपको हर कदम पर मरना होगा
- यह ब्राह्मण जीवन धधकती हुई अग्नि पर चलने का मार्ग है
- यहाँ बकरी बनकर नहीं, शेरनी बनकर आगे बढ़ना होगा

